

24/6/19 पत्रावली आज पैरा हुई। प्राची अविपक्ष  
अ नहीं। प्राचीनिगत को व्यावहारिक अक्षर  
में बार-बार अपाज लगाई गई लेकिन  
न ही अक्षर ना ही इनकी ओर से कोई



साथ चक्का उठ. हुये। सिक्का जयस हाजरी  
जयस पेवरी से वरिज की जाती है पत्रकी  
केवल शुभाव होकर यफ्तार याविका हो।

